

जिने खुल्ले अज साडे खर्चे

मंगणें दी पैदी कदे लोड न,
खैर साडी झोली विच पाई जांदी ए ।
जिने खुल्ले अज साडे खर्चे,
ओना खुल्ला दाती सानूं दई जांदी ए ।

1. शुक्र है मां दा सानूं दिलों न भुलाया ए,
ऐना कुझ दिता देके कदे न जताया ए ।
देर न हनेर ऐदे दर ते, रहमतां दे मीह वरसाई जांदी ए,
जिने खुल्ले अज साडे खर्चे...

2. वेख-वेख दूजेयां नूं कदे वी न सड़िये,
ताईयो नित पौड़ियाँ तरक्री दियां चढ़ीए ।
भला करीं माएं सरबत दा,
ऐहो ई जुबान साडी कही जांदी ए,
जिने खुल्ले अज साडे खर्चे.....,

3. वारे-वारे जांवां माँ दे इस एहसान ते,
"राजू-राजू" होई हर इक दी जुबान ते ।
साडे विच ऐसी कोई बात न,
सारी गल्ल-बात आपे ही बणाई जांदी ए,
जिने खुल्ले अज साडे खर्चे.....,

गायक व गीतकार - राजू उत्तम
संगीत - सौरव सैनी
लेबल - लक्षय रिकार्ड
+919872573004, +919779767505
<https://www.rajuuttam.com>
<https://www.youtube.com/c/rajuuttam>
<https://www.facebook.com/rajuuttam.singer>

स्वर : [राजू उत्तम](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1545/title/jine-khule-aj-sade-kharche-ohna-khula-dati-sanu-deyi-jandi-e>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |